

## वाणिज्य संकाय भी है अच्छा विकल्प

10+2 कक्षा के बाद अध्ययन हेतु विभिन्न संकायों में से वाणिज्य संकाय भी महत्वपूर्ण संकाय है। कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा वाणिज्य संकाय से उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के समक्ष भी आगे डिग्री कोर्स हेतु कई विकल्प मौजूद होते हैं। विद्यार्थी स्वयं, उसके माता-पिता या संरक्षक, उसके गुरुजन या केरियर काउंसलर या जिस क्षेत्र में डिग्री कोर्स करना चाहते हैं उस क्षेत्र में सफल व्यक्तियों के साथ चर्चा करके इस संकाय में डिग्री कोर्स अध्ययन हेतु वैकल्पिक विषयों के संबंध में निर्णय ले सकते हैं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध विभिन्न विकल्पों में से कुछ विकल्प मार्गदर्शन हेतु नीचे दिए जा रहे हैं—

**8.1 वाणिज्य संकाय में ही स्नातक डिग्री :** विद्यार्थी यदि वाणिज्य संकाय में ही डिग्री कोर्स करना चाहते हैं तो उसके लिए भी तीन विकल्प हैं—

- i. **बी. कॉम पास कोर्स (B.Com. Pass Course) :**—इसमें विद्यार्थी द्वारा संबंधित संस्था (कॉलेज या विश्वविद्यालय) में उपलब्ध ऐच्छिक विषयों में से किन्हीं तीन ऐच्छिक विषयों का चयन किया जाता है एवं संस्था के नियमानुसार कक्षा 12वीं के प्राप्तांक या प्रवेश परीक्षा के प्राप्तांक के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। राजस्थान में राजकीय संस्थाओं में 12वीं के प्राप्तांकों के आधार पर प्रवेश दिया जाता है।
- ii. **बी. कॉम ऑनर्स कोर्स (B.Com. (Hons) Course) :**—इसमें विद्यार्थी स्नातक डिग्री कोर्स के दौरान एक विशेष ऐच्छिक विषय के साथ अन्य सहायक विषयों का भी अध्ययन करता है। इसकी अवधि भी तीन वर्ष होती है। कई विषयों में बी. कॉम (ऑनर्स) पास कोर्स में किया जा सकता है यथा Accountancy, Business Studies, Statistics, Economics, Marketing, Management Studies, Banking & Insurance, Taxation, Accounts & Finance, Humane Resource. वर्तमान में विषय विशेषज्ञों की बढ़ती माँग को देखते हुए विद्यार्थियों को ऑनर्स कोर्स को प्राथमिकता देनी चाहिए।
- iii. **इंटीग्रेटेड बी. कॉम कोर्स (Integrated B.Com Course) :**—इस कोर्स में बी.कॉम के साथ-साथ एक अन्य डिग्री कोर्स भी करवाया जाता है। वर्तमान में इंटीग्रेटेड कोर्स का प्रचलन बढ़ रहा है जिसमें दोनों कोर्स को समेकित करने पर सामान्यतः एक वर्ष की अवधि कम हो जाती है। दोनों कोर्स अंडर ग्रेजुएट या एक कोर्स अंडर एवं दूसरा पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी हो सकता है जैसे B.Com+LL.B, B.Com+ B.Ed, B.Com+M.Com, BBA. LLB.

**बी कॉम एलएलबी (B.Com LL.B.) :**—यह पाँच वर्षीय इंटीग्रेटेड वाणिज्य एवं कानून की डिग्री का समेकित कोर्स है जिसमें विद्यार्थी बी.कॉम के साथ-साथ लॉ की डिग्री प्राप्त करता है। जो विद्यार्थी वाणिज्य संकाय के विषयों के साथ व्यापार संबंधी कानून जैसे— बिजनेस लॉ (Business Law), कम्पनी लॉ (Company Law) आदि विशेष कानून के अध्ययन में रुचि रखते हैं वो ऐसे कोर्स का चुनाव कर सकते हैं।

**8.2 वाणिज्य में स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स :**—वाणिज्य वर्ग में स्नातक डिग्री करने के बाद स्नातकोत्तर डिग्री (एम.कॉम) भी की जा सकती है। जिसके बाद अभ्यर्थी अनुसंधान करने के अलावा कॉलेज या विश्वविद्यालय में शिक्षक बनने हेतु नेट/जेआरएफ (NET/JRF) परीक्षा तथा विद्यालय शिक्षा में व्याख्याता हेतु भी परीक्षा दे सकता है। एम. कॉम भी बी. कॉम वाले विषयों में किया जा सकता है।

**8.3 व्यावसायिक पाठ्यक्रम :** जो अभ्यर्थी 12वीं कक्षा वाणिज्य संकाय से उत्तीर्ण करने के बाद डिग्री कोर्स के बजाय व्यावसायिक कोर्स करना चाहते हैं। उनके लिए निम्न विकल्प है—

पाठ्यक्रम का नाम (Course)	पात्रता (Eligibility)	प्रवेश प्रक्रिया (Admission Process)	कार्य एवं कार्य क्षेत्र (Job)
1. चार्टेड एकाउंटेंट (C.A.) www.icaai.org	12वीं कक्षा वाणिज्य संकाय के साथ उत्तीर्ण हो।	<ul style="list-style-type: none"> <li>The institute of Chartered accountants india द्वारा सी.ए. कोर्स हेतु चार स्तर की परीक्षा का आयोजन किया जाता है यथा—</li> <li><b>(a) प्रथम चरण</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>सीए फाउंडेशन कोर्स (सीपीटी) 12वीं कक्षा में अध्ययनरत या उत्तीर्ण करने के बाद इच्छुक अभ्यर्थी सीए फाउंडेशन कोर्स हेतु पंजीयन करवा सकते हैं।</li> <li>यह परीक्षा वर्ष में दो बार मई एवं नवम्बर माह में आयोजित होती है जिसके लिए जून एवं दिसम्बर माह में पंजीयन होता है।</li> <li>यह प्रवेश स्तर की परीक्षा होती है। इस टेस्ट में चार प्रश्न पत्र (Accounting, Marketing Law, Business Economics, General English) होते हैं जो 400 अंक के होते हैं जिनमें समेकित रूप से 50 प्रतिशत से अधिक अंक होने पर ही अगले चरण के लिए उत्तीर्ण किया जाता है।</li> </ul> </li> <li><b>(b) दूसरा चरण</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>इंटरमिडियट कोर्स इंटीग्रेटेड प्रोफेशनल कम्प्यूटेंसी कोर्स</li> <li>सीए पाठ्यक्रम में सीधा प्रवेश : वाणिज्य वर्ग से 55 प्रतिशत या अन्य विषय से 60 प्रतिशत से स्नातक या स्नातकोत्तर कोर्स किया हो तो द्वितीय चरण में सीधे आवेदन कर कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। इन्हें फाउंडेशन कोर्स नहीं करना होता है।</li> </ul> </li> <li><b>(c) तीसरा चरण</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>सीए आर्टिकलशिप इंटरमिडियट कोर्स उत्तीर्ण करने के बाद तीन साल की सी.ए. की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग होती है। इस चरण के बाद अंतिम वर्ष की परीक्षा के लिए योग्य हो जाता है।</li> </ul> </li> <li><b>(d) चौथा चरण</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>सीए फाइनल कोर्स आर्टिकलशिप पूर्ण होने के बाद सीए की अंतिम परीक्षा होती है जिसे उत्तीर्ण करने के बाद सीए की डिग्री प्राप्त हो जाती है जिसे आई.सी.ए.आई में पंजीयन करवाकर सीए का अधिकारिक कार्य किया जा सकता है।</li> </ul> </li> </ul>	<ol style="list-style-type: none"> <li>भारत सरकार एवं राज्य सरकार के अधीन विभिन्न विभागों/संस्थाओं में सरकारी नौकरी हेतु पात्रता</li> <li>स्वयं की संस्था के जरिए व्यवसाय करना</li> <li>वर्तमान समय में यह कोर्स किए हुए व्यक्ति के लिए बेहतरीन संभावनाएँ मौजूद हैं।</li> </ol>
2. कम्पनी सचिव (CS) www.icsi.edu	1. 12वीं कक्षा वाणिज्य या विज्ञान वर्ग में गणित विषय से उत्तीर्ण हो या किसी भी संकाय में स्नातक की डिग्री धारक हो।	<ul style="list-style-type: none"> <li>यह कोर्स The Institute of Company Secretaries of India (ICSI) द्वारा कराया जाता है। यह परीक्षा वर्ष में दो बार जून एवं दिसम्बर में आयोजित होती है तथा सितम्बर एवं मार्च में फार्म भरे जाते हैं। कम्पनी सचिव कोर्स तीन चरणों में तीन परीक्षा पास करने से संपन्न होता है</li> <li>प्रथम चरण :- (फाउन्डे इन प्रोग्राम/परीक्षा) 12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थी इस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं जो एक वर्ष का होता है। इसमें प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा CSEET का आयोजन आई.सी.एस.आई (ICSI) द्वारा किया जाता है।</li> <li>द्वितीय चरण :- (एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम परीक्षा) यह प्रोग्राम भी एक वर्ष का होता है। ग्रेज्यूएट विद्यार्थी इस स्तर पर इस कोर्स में सीधे प्रवेश ले सकते हैं।</li> <li>तृतीय चरण :- (प्रोफेशनल प्रोग्राम परीक्षा) इस चरण में व्यावहारिक प्रशिक्षण होता है तथा इसके बाद आयोजित परीक्षा पास करने पर आई.सी.एस.आई. के (ICSI) कम्पनी सचिव के</li> </ul>	कम्पनी रजिस्ट्रार, लीगल एडवाइजर, प्रिंसिपल सैक्रेट्री, कॉर्पोरेट प्लानर, एडमिनिस्ट्रेटिव सैक्रेट्री, एडमिनिस्ट्रेटिव अस्सिस्टेंट, कॉर्पोरेट पॉलिसी मेकर, मैनेजिंग डायरेक्टर, फाइनंसियल ऑफिसर, बैंक एवं वित्तीय संस्थाओं में रोजगार के अवसर,

		रूप में सदस्य बन जाते हैं। इस कोर्स की अवधि भी एक वर्ष है।	
3.सी.एम.ए. (सर्टिफाइड मैनेजमेन्ट एकाउंटेंट)	10+2 कक्षा उत्तीर्ण हो।	<ul style="list-style-type: none"> <li>सी.एम.ए. कोर्स आई.सी.ए.आई. द्वारा आयोजित किया जाता है। जिसके तीन चरण हैं।</li> <li>सी.एम.ए. फाउंडेशन कोर्स, सी.एम.ए. इंटरमिडियट कोर्स, सी.एम.ए. फाइनल कोर्स</li> <li>तीनों चरणों की कुल अवधि 2.5 से 3 वर्ष होती हैं।</li> </ul>	फाइनेंसियल कंसल्टेंट, फाइनेंस डाइरेक्टर, मैनेजिंग डाइरेक्टर, एसोसियट प्रोफेसर, एकाउंटेंट, चीफ ऑडिटर, चीफ एकाउंटेंट, कोस्ट एकाउंटेंट, फाइनेंसियल कंट्रोलर
4. सी.एफ. पी (सर्टिफाइड फाइनेंसियल प्लानर)	10+2 कक्षा उत्तीर्ण हो	भारतीय व्यवसाय प्रबंधन एवं प्रशासन संस्थान (ISBMA) हैदराबाद, रायपुर, गोहावटी, पटना, दिल्ली द्वारा कोर्स का आयोजन किया जाता है।	फाइनेंस मैनेजर, एजेंट, प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर, टेक्स प्लानर, म्यूचुअल फंड एडवाइजर आदि।
5.सी.आई. बी. (सर्टिफाइड इवेंट्स मैनेजमेंट बैकर)		भारतीय व्यवसाय प्रबंधन एवं प्रशासन संस्थान (ISBMA) हैदराबाद, रायपुर, गोहावटी, पटना, दिल्ली द्वारा कोर्स का आयोजन किया जाता है।	फाइनेंस मैनेजर, एजेंट, प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर, टेक्स प्लानर, म्यूचुअल फंड एडवाइजर आदि।

#### 8.4 12वीं कक्षा वाणिज्य संकाय से उत्तीर्ण करने के बाद अन्य निम्नानुसार कोर्स भी किए जा सकते हैं।

क्र.सं.	कोर्स	अवधि
1.	बी.एस.सी. (मैथ्स) ऑनर्स(यदि 12वीं कक्षा वाणिज्य वर्ग में गणित एक ऐच्छिक विषय रहा हुआ हो।)	5 वर्ष
2.	बी.ए.एल.एल.बी.	3 वर्ष
3.	बी.एफ.ए.	3 वर्ष
4.	बी.ए.(ऑनर्स)	3 वर्ष
5.	बी. डिजाइन इन एनिमेशन	3 वर्ष
6.	बी.एस.सी. हॉस्पिटैलिटी	3 वर्ष
7.	बी.एस.सी.होटल मैनेजमेंट	3 वर्ष
8.	बी.जे.एम.सी.	3 वर्ष
9.	बी.एम.एम.	3 वर्ष